150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

जागृति

वर्ष:63 | अंक-1 | मुम्बई | दिसम्बर 2018

माननीय उपराष्ट्रपति ने कारीगरों को चरखा प्रदान करने के उद्देश्य से आयोग के अध्यक्ष को 32 लाख रुपये का चेक सौंपा

iitf 2018

भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में एमएसएमई मंत्री द्वारा खादी पवेलियन का उद्घाटन

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

खादी और ग्रामोद्योग आयोग

वर्ष 63 अंक-1 दिसम्बर 2018

जागृति

सम्पादकीय मण्डल

अध्यक्ष
श्रीमती प्रीता वर्मा

संपादक
राजन बाबू

उप संपादक
सुबोध कुमार

वरिष्ठ हिंदी अनुवादक
सरस्वती खनका

डिजाईन व पृष्ठसज्जा
सुबोध कुमार

कलाकार
दिलीप पालकर

प्रचार, फ़िल्म एवं लोक शिक्षण
कार्यक्रम निदेशालय द्वारा
खादी और ग्रामोद्योग आयोग,
ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड,
विले पार्ले (पश्चिम), मुंबई -400056
के लिए प्रकाशित
ईमेल: jagritikvic@gmail.com
वेबसाइट: www.kvic.org.in

आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा विचारों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा संपादक सहमत हो.

इस अंक में.....

समाचार सार ..... 3 से 20

प्रधानमंत्री द्वारा एमएसएमई क्षेत्र के विकास के लिए 12 प्रमुख कार्यक्रमों और योजनाओं की घोषणा.....

भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में एमएसएमई मंत्री ने खादी पवेलियन का उद्घाटन किया.....

भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में खादी पवेलियन .....

आईआईटीएफ-2018 में आयोग को कांस्य पदक .....

माननीय उपराष्ट्रपति ने कारीगरों के परिवारों के कल्याण हेतु आयोग के अध्यक्ष को 32 लाख रुपये का चेक प्रदत्त.....

आयोग ने मनाया भारतीय संविधान दिवस.....

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के पास बहुमुखी क्षमता, जिसकी तुलना किसी अन्य विभाग से नहीं.....

देश भर में “हनी विलेज” के रूप में गांवों को गोद लेने की योजना.....

आयोग द्वारा 175 ग्रामीण आदिवासियों को 1750 मधुमक्खी बक्से वितरित.....

ग्रामीणों के मध्य 100 बी-बॉक्सेस का वितरण के साथ आयोग का 'हनी मिशन' गोद लिए गए गाँव तक पहुँचा.....

एक अनुभूति जिसने दिलायी खादी को 'विशेष' पहचान .....

पिछले चार वर्षों में खादी ने अपने उत्पादन में 39.30 मिलियन वर्ग मीटर की वृद्धि कर, 37.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की.....

प्रेस कवरेज .....21 से 27

प्रधानमंत्री द्वारा एमएसएमई क्षेत्र के विकास के लिए 12 प्रमुख कार्यक्रमों और योजनाओं की घोषणा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 नवम्बर, 2018 को विज्ञान भवन , दिल्ली में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSME) सहायता कार्यक्रम के तहत 12 प्रमुख कार्यक्रमों और योजनाओं की घोषणा की। देश के छोटे कारोबारियों के लिए इसे गिफ्ट बताते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इन योजनाओं से आर्थिक विकास कई गुना बढ़ेगा।

एमएसएमई क्षेत्र के विकास के लिए 12 प्रमुख घोषणाएं की गयी हैं:

1. छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए 1 करोड़ रुपये तक की मंजूरी के लिए 59-मिनट के ऋण पोर्टल का शुभारंभ।
2. जीएसटी-पंजीकृत एमएसएमई को 1 करोड़ रुपये तक के वृद्धिशील ऋण पर 2 प्रतिशत छूट मिलेगी।
3. एमएसएमई के संबंध में तकनीकी उन्नयन के विकास के लिए, प्रीमियर ने 6,000 करोड़ रुपये के पैकेज की घोषणा की। इस पैकेज के साथ, देश भर में 20,000 हब और 100 टूल रूम विकसित किए जाएंगे।
4. केंद्र सरकार ने एमएसएमई द्वारा निर्यात के लिए ब्याज में वृद्धि को पूर्व और बाद के शिपमेंट क्रेडिट पर 3 प्रतिशत से बढ़ाकर 5 प्रतिशत करने का निर्णय लिया।
5. पीएम ने सभी कंपनियों के लिए TReDS प्लेटफॉर्म - ट्रेड रिसीवेबल्स ई-डिस्काउंटिंग सिस्टम में शामिल होने के लिए 500 करोड़ रुपये से अधिक के कारोबार के लिए इसे अनिवार्य कर दिया। इससे MSME को नकदी प्रवाह में आने वाली परेशानियों को सुलझाने में मदद मिलेगी।
6. केंद्र सरकार ने एमएसएमई से सार्वजनिक उपक्रमों में अनिवार्य सोर्सिंग को बढ़ाकर 25 प्रतिशत कर दिया। पहले यह 20 प्रतिशत था।
7. सरकारी कंपनियों को अपनी खरीद का कम से कम 3 फीसदी हिस्सा महिला उद्यमियों से खरीदने का निर्देश दिया गया।
8. कंपनियों के लिए GeM (गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस) की सदस्यता अनिवार्य कर दी गई है।
9. प्रधानमंत्री ने फार्मा कंपनियों को कारोबार करने में एमएसएमई क्षेत्र की आसानी की भी घोषणा की।
10. इसके साथ, पीएम ने पर्यावरण मंजूरी और स्व-प्रमाणन में आसानी की घोषणा की।
11. अब , एमएसएमई को आठ श्रम कानूनों और 10 केंद्रीय शासन पर सिर्फ एक वार्षिक रिटर्न दाखिल करना होगा।
12. एमएसएमई को कानूनी जटिलताओं से राहत प्रदान करते हुए, प्रीमियर ने घोषणा की कि उनकी सरकार ने कंपनी अधिनियम में एक बड़ा बदलाव किया है।

सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत आने वाले सभी एमएसएमई श्रमिकों को सुनिश्चित करने के लिए अभियान शुरु। ❑❑

भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में

एमएसएमई मंत्री ने खादी पवेलियन का उद्घाटन किया

नई दिल्ली: केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गिरिराज सिंह ने प्रगति मैदान में 15 नवंबर, 2018 को भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले के 38 वें संस्करण में खादी और ग्रामोद्योग आयोग के विशेष खादी पवेलियन का उद्घाटन किया। भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला, सबसे बड़े व्यापार मेलों में से है, मेले के इस संस्करण का विषय था 'एंटरप्राइजेज फ्रॉम रूरल इंडिया'।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने 100 से अधिक स्टॉल लगाये, जिसमें देश के लगभग सभी राज्यों के अलग-अलग खादी और ग्रामोद्योग संस्थाओं के कुशल ग्रामीण कारीगरों द्वारा निर्मित सबसे उत्तम उत्पादों को प्रदर्शित किया गया । भारत व्यापार संवर्धन संगठन (ITPO) का यह प्रतिष्ठित वार्षिक आयोजन ग्रामीण कारीगरों को राष्ट्रीय राजधानी में अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए एक उचित मंच प्रदान करता है।

औपचारिक रूप से मंडप का उद्घाटन करने और लोकप्रिय 'सेल्फी विद गांधीजी' लेने के बाद खुशी और उत्साह व्यक्त करते हुए, केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गिरिराज सिंह ने कहा कि कारीगरों और उद्यमियों द्वारा दिखाए गए प्रतिबद्धता और उत्साह से संकेत मिलता है कि पूरे देश ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अपील को सराहा है। । "केवल समर्पण भावना के साथ ही, हम अपने प्रधानमंत्री के सिद्धांत-'पहले खादी फॉर नेशन, फिर खादी फॉर

भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में खादी पवेलियन

फैशन और अंत में खादी फॉर ट्रांसफॉर्मेशन'- का पालन कर सकते हैं । उन्होंने आगे कहा, मंत्रालय ने खादी ग्रामोद्योग से जुड़े कारीगरों के उत्थान के लिए पहले ही कुछ योजनाएं चलायी हैं।

उनके विचारों की पुष्टि करते हुए, आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि कारीगरों और उद्यमियों के इस तरह के एक उत्साही दृष्टिकोण के साथ खादी और ग्रामोद्योग पवेलियन दर्शकों के आकर्षण का केन्द्र बनने को पूरी तरह से तैयार हैं।"एक टीम के रुप में केवीआईसी हमेशा अपनी सामाजिक प्रतिबद्धता के साथ सर्वोत्तम परिणाम देने की कोशिश करेगा।" उन्होंने आगे कहा "हम हमेशा खादी ग्रामोद्योग के प्रति अपने प्रधान मंत्री के प्रेम और उम्मीदों पर खरा उतरने का प्रयास करते रहेंगे।" ❑❑

"औपचारिक रूप से मंडप का उद्घाटन करने और लोकप्रिय 'सेल्फी विद गांधीजी' लेने के बाद खुशी और उत्साह व्यक्त करते हुए, केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गिरिराज सिंह ने कहा कि कारीगरों और उद्यमियों द्वारा दिखाए गए प्रतिबद्धता और उत्साह से संकेत मिलता है कि पूरे देश ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अपील को सराहा है।"

आईआईटीएफ-2018 में आयोग को कांस्य पदक

नई दिल्ली: आईआईटीएफ में खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम कर लिया, आयोग को यह पदक प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 38 वें भारत अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेले (IITF) 2018 में मंत्रालयों, विभागों, पीएसयू, पीएसबी और कमोडिटी बोर्ड्स की श्रेणी में दिया गया है।

आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि तुलनात्मक रूप से कम जगह के बावजूद - केवल 29 स्टालों को समायोजित करके आयोग ने महत्वपूर्ण बिक्री दर्ज की और "सेल्फी विद गांधीजी"- इस आईआईटीएफ के आगंतुकों के लिए सबसे आकर्षक का केन्द्र रही है। "हमारे स्टोरों की तरह, इस ट्रेड फेयर में भी, नए-नए मोदी जैकेट और कुर्ते खरीदारों को पसंद आये। उन्होंने कहा, मुझे आशा है कि आने वाले दिनों में, केवीआईसी अपने हिस्से में और अधिक सुर्खियां बटोरेगा।"

यह पुरस्कार आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (उत्तर क्षेत्र) श्री सत्य नारायण ने केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री सुरेश प्रभु से ग्रहण किया।

❑❑

फिक्की-आदित्य बिड़ला सीएसआर सेंटर फॉर एक्सीलेंस द्वारा आयोजित महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती का स्मरण कार्यक्रम

उपराष्ट्रपति महोदय द्वारा कारीगर परिवारों के कल्याण हेतु आयोग के अध्यक्ष को 32 लाख रुपये का चेक प्रदत्त

अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में फिक्की द्वारा आयोजित - आदित्य बिड़ला सीएसआर सेंटर फॉर एक्सीलेंस कार्यक्रम में महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती स्मरण कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उपराष्ट्रपति श्री एम वेंकैया नायडू ने खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के स्टाल का दौरा किया, जहां उन्होंने खादी को सराहा।

इस अवसर पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने उपराष्ट्रपति महोदय का स्वागत शॉल और श्रीफल दे कर किया।

समारोह में, आदित्य बिड़ला सीएसआर सेंटर फॉर एक्सीलेंस द्वारा 200 से अधिक कारीगरों के परिवारों को चरखा प्रदान करने के उद्देश्य से उपराष्ट्रपति महोदय ने खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष को 32 लाख रुपये का चेक प्रदान किया।

इसके पश्चात, समारोह को संबोधित करते हुए श्री नायडू ने कहा कि गांधीजी के लिए, खादी सिर्फ एक राजनीतिक या राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक न होकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का एक माध्यम थी।

आज हम ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों में अवांछित प्रवास की प्रवृत्ति देखते हैं। हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था कमजोर है और आजीविका के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करने में विफल रही है। यह समय है महात्मा गांधी की इच्छाओं का सम्मान करते हुए अपने गांवों वापस लौटने का। उन्होंने कहा कि भारत में वास्तविक विकास तभी होगा जब हम ग्रामीण भारत, विशेषकर हमारे किसानों, बुनकरों और कारीगरों को सशक्त बनाने में सक्षम होंगे।"

अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में फिक्की द्वारा आयोजित - आदित्य बिड़ला सीएसआर सेंटर फॉर एक्सीलेंस कार्यक्रम मे महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती की स्मरण कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उपराष्ट्रपति श्री एम वेंकैया नायडू ने खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के स्टाल का दौरा किया, जहां उन्होने खादी को सराहा ।

आयोग ने मनाया भारतीय संविधान दिवस

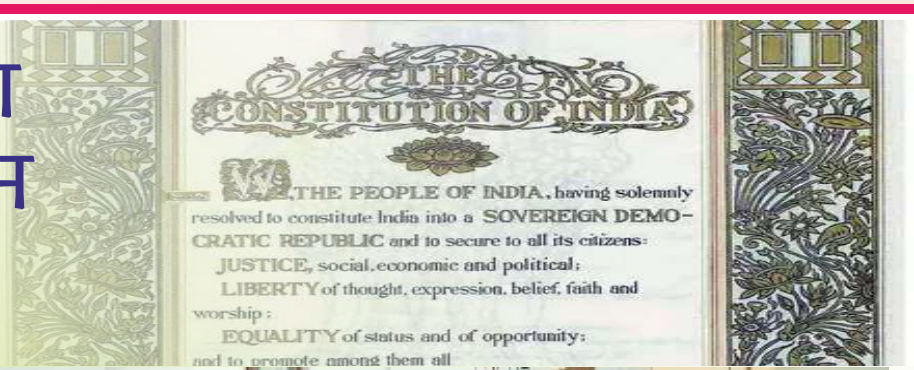

आयोग के मुख्यालय में 26 नवंबर 2018 को भारतीय संविधान दिवस मनाया, इस अवसर पर मुख्यालय के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने संविधान दिवस के प्रति पूर्ण निष्ठा और विश्वास रखने की शपथ ली। केंद्रीय कार्यालय में यह प्रतिज्ञा/शपथ आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रीता वर्मा, द्वारा ली गई। वित्तीय सलाहकार श्रीमती उषा सुरेश, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री मोहित जैन की उपस्थिति में दिलायी गयी। इसी तरह आयोग के राज्य/विभागीय कार्यालयों में भी भारतीय संविधान दिवस मनाया।

मुम्बई में राज्य/मण्डलीय निदेशकों का सम्मेलन सम्पन्न

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के पास बहुमुखी क्षमता, किसी अन्य विभाग से तुलना नहीं

खादी और ग्रामोद्योग खादी और ग्रामोद्योग आयोग को उत्पादन बिक्री, रोजगार और छवि निर्माण में नंबर एक संगठन बनाने के प्रमुख उद्देश्य के साथ, आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग के पास बहुमुखी क्षमता है और इसके साथ किसी अन्य विभाग की तुलना नहीं की जा सकती है। विगत चार वर्षों में इस संगठन द्वारा 18 लाख 39 हजार रोजगार का सृजन किया गया है और हमने वर्ष 2020 तक अतिरिक्त 13 लाख 43 रोजगार का सृजन करने का लक्ष्य रखा है। अध्यक्ष ने जे.डब्ल्यू मैरियट, जुहू, मुंबई में 16 और 17 नवंबर, 2018 को आयोजित सभी फील्ड कार्यालयों के संबंध में राज्य/मंडल निदेशकों के सम्मेलन को संबोधित करते हुये कहा।

अध्यक्ष महोदय ने कहा कि शहद मिशन के तहत इस महत्वाकांक्षी कार्य के लिए, मिट्टी के बर्तन (कुम्हार सशक्तिकरण योजना), चर्म (मोची सशक्तिकरण) और सौर कलस्टर को मिशन मोड पर लिया जाना चाहिए । उन्होंने आगे कहा कि इससे राष्ट्रों के गरीब से गरीब सशक्त होंगे । इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने उत्पादन और बिक्री के आंकड़ों में सुधार पर जोर दिया। आयोग के अध्यक्ष ने मिशन मोड पर नए खादी संस्थाओं को जोड़ने का भी फैसला किया जो अंतत: नए रोजगार सृजन करने में सहायक होगा। उन्होंने पुन: कहा कि ग्रामीण महिलाओं को चरखा प्रदान करने का मुख्य उद्देश्य है, उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना। उन्होंने सीएसआर निधि के जरिए रोजगार सृजन करने पर भी जोर दिया ।

उन्होंने आगे बताया कि हनी मिशन के साथ-साथ, केन्द्रीय पूनी संयंत्रों की भूमि, प्रशिक्षण केंद्रों और कार्यालयों में जगह की उपलब्धता के अनुसार कम से कम 1000 मोरिंगा (सहजन) के पौधे लगाये जा सकते हैं। श्री विनय कुमार

सक्सेना ने अपने भाषण के दौरान बांस की घास का उपयोग करने की भी बात की, जो क्लस्टर या पीएमईजीपी के तहत आदिवासियों के लिए रोजगार सृजन करने पर ध्यान केन्द्रित कर करोड़ों लोगों के लिए रोजगार सृजन कर सकता है।

आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री प्रीता वर्मा ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि दो दिनों की बैठक के दौरान प्रेरक और विश्वासपूर्ण कार्यों पर चर्चा हुई । उन्होने पुन: कहा कि मिशन मोड कार्यक्रमों में गति लाने के लिए, नोडल अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर फील्ड स्तर पर नियुक्त किया जा सकता है। आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि ब्रांड खादी में सुधार हुआ है और सभी की उम्मीदों पर सही साबित हुआ है। उन्होंने उद्यमी व्यवसाय मॉडल के साथ खादी ग्रामोद्योग विकास योजना (KGVY) और रोज़गार युक्त गाँव के निर्माण और खादी संस्थानों को मजबूत करने के बारे में भी चर्चा की । यह केआरडीपी, खादी और ग्रामोद्योग के रूप में केवीआईसी योजनाओं के साथ व्यापारिक साझेदार के रूप में साझेदारी में स्थापित किया जा सकता है। उन्होंने पूर्व में, केवीआईसी अर्थात खादी की यूएसपी को संरक्षित करने और इसे नकली खादी से बचाने पर जोर दिया । उन्होंने कहा कि खादी ग्रामोद्योग आयोग के अधिकार क्षेत्रा में आता है, और उपेक्षा नहीं की जा सकती है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने अनुशासन बनाए रखने, अधिकारों के साथ जवाबदेही लेने और बेहतर परिणामों के लिए टीम को प्रेरित करने पर भी जोर दिया।

आयोग की वित्तीय सलाहकार श्रीमती उषा सुरेश ने इस अवसर पर बैठक को संबोधित करते हुए पारदर्शिता बनाए रखने पर जोर दिया, जिसके लिए वित्तीय लेनदेन केवल आई. एफ.एम.एस. के माध्यम से किए जा सकते हैं।

मुम्बई में राज्य/मण्डलीय निदेशकों का सम्मेलन

आयोग के मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री मोहित जैन ने सतर्कता बरतने और संगठन की छवि धूमिल करने वाले किसी भी कार्य में शामिल न होने का आग्रह किया। उन्होंने शिकायतों को गंभीरता से लेने का भी निर्देश दिया।

मुख्य सतर्कता अधिकारी ने निविदा जारी करते समय जीएफआर दिशानिर्देशों का पालन करने और निर्भयतापूर्वक निर्णय लेने पर भी जोर दिया। निगरानी का अर्थ है एक फलदायी कार्य। उन्होंने कहा कि सरकारी खजाने का पैसा हम खर्च कर रहे हैं, जिसका तुरंत उपयोग किया जाना है।

हनी मिशन, फ्रंचाइस योजना, खादी कॉर्नर, केआईएमआईएस और खादी और कार्यशाला योजना के प्रदर्शन की समग्र समीक्षा, डीओएस द्वारा किए जा रहे समस्याओं का सामना, एमएमडीए प्रोत्साहन संरचना; ब्याज उपदान पात्रता प्रमाणपत्र (ISEC); खादी संस्थाओं की स्थिति और खादी मार्क पंजीकरण; खादी सुधार और विकास कार्यक्रम (केआरडीपी) और केवीआईसी की सभी योजनाओं और कार्यक्रमों पर अध्यक्ष, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, वित्त सलहकार, मुख्य सतर्कता अधिकारी द्वारा बैठक के दौरान समीक्षा की गई ।

❑❑

आयोग द्वारा उत्तर प्रदेश में 60 विद्युत चालित चाक, 1000 बी-बॉक्सेस वितरित

देश भर में "हनी विलेज" के रूप में गांवों को गोद लेने की योजना

पंजोखरा (शामली जिला): उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के ग्रामीणों के लिए, यह त्योहार का महीना समाप्त होने के बाद भी बुधवार को शामली जिले के तिनसेल गांव में एक उत्सव जैसा माहौल था, जब खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने अपनी महत्वाकांक्षी कुम्हार सशक्तिकरण योजना और हनी मिशन 'परियोजना के तहत हाथरस, गौतम बुद्ध नगर, मेरठ, बागपत, अमरोहा गाजियाबाद, सहारनपुर और शामली जिले के ग्रामीणों के बीच 28 नवंबर, 2018 को चौधरी चरण सिंह बहु उद्देश्यीय प्रशिक्षण केंद्र में 60 विद्युत चालित कुम्हारी चाक और 1,000 मधुमक्खी बॉक्सेस वितरित किए।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि यह विद्युत चालित कुम्हारी चाक कुम्हारों को बल देने वाला हैं। उन्होंने कहा, "यह न केवल उनके श्रम को कम करेगा, बल्कि इन विद्युत चालित कुम्हारी चाक के साथ - वे बर्तन और टेराकोटा की सबसे अच्छी गुणवत्तायुक्त उत्पाद बनाएंगे।" उन्होंने कहा, "मौजूदा कुम्हारों को आधुनिक मशीन और उपकरण प्रदान करके तकनीकी बैक अप के समर्थन के साथ संभावित ग्राहकों की बदली हुई मांग के अनुरूप, हमने कुम्हारी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए पहल की है।" आयोग द्वारा अपने कौशल विकास कार्यक्रम के तहत उचित प्रशिक्षण के बाद, नए डिजाइन-हस्तक्षेप और आधुनिक मशीनों, टूल्स और उपकरणों की आपूर्ति से, कुम्हारों में कुशल कौशल निर्माण होगा जिससे वे बाजार में नए टेरा-कोट्टा उत्पादों को लाने में सक्षम होंगे। जो अब तक - संयोग से उच्च-परिश्रम

और कम लागत वाले- पारंपरिक तरीकों से मिट्टी के बर्तनों का निर्माण कर रहे थे ।

श्री सक्सेना ने आगे कहा कि इससे न केवल 90 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा, बल्कि 15 लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा, लेकिन इससे एक कुम्हार की दैनिक आय 100 रुपये से बढ़कर 400 रुपये तक हो जाएगी।

कार्यक्रम में आयोगके अध्यक्ष ने 60 लाभार्थियों में से प्रत्येक 10 कुम्हारों के समूह को एक विद्युत चालित कुम्हारी चाक, पग मिल का एक सेट, ब्लंगर्स का एक सेट और गैस भट्टी का एक सेट वितरित किया है। जबकि इस विद्युत चालित कुम्हारी चाक - जिस पर कुम्हार दिन में 12 से 16 घंटे काम कर सकते हैं - जो नए डिजाइनों को लाने के लिए उपयोगी है और 0 से 180 आरपीएम तक परिवर्तन गति जो श्रम को कम करता है और, ब्लॉगर 8 घंटे में 400 से 500 किलोग्राम कच्ची मिट्टी को संसाधित कर सकता है। इसी तरह, जबकि पगमिल(मिक्सर) का उपयोग टरबाइन और इसी तरह की मिट्टी को मिलाने के लिए किया जाता है और यह प्रति घंटे 500-800 किलोग्राम मिट्टी का प्रसंस्करण करेगा तथा सभी मौसम के अनूकूल और कम प्रदूषक गैस भट्टी-1100 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान तक 50 से 60 किलोग्राम कच्चे या गीले तैयार बस्तुओं को पकाने के लिए उपयोगी होगी ।

प्रधान मंत्री के मधु क्रांति के आह्वान के बाद, जिन्होंने हमेशा 'श्वेत क्रांति' की तर्ज पर 'मीठी क्रांति' की आवश्यकता पर जोर दिया, आयोग के अध्यक्ष ने शामली और पड़ोसी जिलों के आयोग द्वारा पहचानित 100 अनुसूचित जाति के किसानों के बीच 1,000 मधुमक्खी के बक्से वितरित किये । उन्होंने कहा, "यह न केवल किसानों के परिवारों की अतिरिक्त वार्षिक आय सुनिश्चित करेगा, बल्कि परागण के कारण उनकी फसलों की पैदावार भी बढ़ाएगा।" उन्होंने यह भी बताया कि केवीआईसी ने भारत के प्रत्येक जिला में दो से तीन गांवों को 'हनी विलेज' के रूप में अपनाने की योजना बनाई है। । "

अंत में, आयोग के अध्यक्ष ने मोरिंगा और तुलसी जैसे औषधीय पौधों के 500 से अधिक पौधे लगाए। समारोह में भाग लेने वाले अन्य लोगों में, आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सत्य नारायण और एमडीटीसी के प्रभारी श्री मधुसूदन चौहान शामिल थे।

❑❑

आयोग द्वारा 175 ग्रामीण आदिवासियों को 1750 मधुमक्खी बक्से वितरित

वलसाड: इस वर्ष 18 सितंबर को वाराणसी में प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मधु क्रांति के आह्वान को साकार करते हुए गुजरात के वलसाड जिले के 50 स्थानीय किसानों, और गांवों में वितरित 500 मधुमक्खी बक्से फसलों की तरह शहद का भी रिकॉर्ड उत्पादन करने के लिए तैयार हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग अपने महत्वाकांक्षी 'हनी मिशन' परियोजना को लागू करने के लिए मिशन मोड में आया है। सबसे पहले, वाराणसी में प्रधान मंत्री के प्रेरणादायक शब्दों के अगले दिन, यानी 19 सितंबर को - केवीआईसी ने पश्चिम बंगाल के सुंदरबन के बाली द्वीप में बाघ हमले से पीडितों तथा एससी / एसटी और अन्य बेरोजगार लोगों के बीच 500 मधुमक्खी बक्से वितरित किए, और अब 22 सितंबर को, केवीआईसी ने गुजरात के वलसाड जिले के दूरस्थ सोल्डहर, फामस्वादा, मोटापोंडा, वाघई, निसराना और कागसला गांवों में 175 जनजातीय लोगों के बीच 1750 मधुमक्खी बक्से वितरित किए हैं।

सबसे पहले, वाराणसी में प्रधान मंत्री के प्रेरणादायक शब्दों के अगले दिन, यानी 1 9 सितंबर को - केवीआईसी ने पश्चिम बंगाल के सुंदरबन के बाली द्वीप में बाघ हमले से पीड़ितों तथा एससी / एसटी और अन्य बेरोजगार लोगों के बीच 500 मधुमक्खी बक्से वितरित किए, और अब 22 सितंबर को, केवीआईसी ने गुजरात के वलसाड जिले के दूरस्थ सोल्डहर, फामस्वादा, मोटापोंडा, वाघई, निसराना और कागसला गांवों में 175 जनजातीय लोगों के बीच 1750 मधुमक्खी बक्से वितरित किए हैं।

मधुमक्खी बक्से वितरित करते समय खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना- जिन्होंने स्वयं 'हनी मिशन' की प्रगति पर नजर रखी हुई है- ने कहा कि इस क्षेत्र में मधुमक्खीपालन से 30,000 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाले शहद के उत्पादन के अलावा प्रचुर मात्रा में वनस्पतियों और जीवों की पैदावार और तदाद बढ़ी है। इस मधुमक्खीपालन से बेरोजगार युवाओं और महत्वाकांक्षी युवा उद्यमियों के लिए नये रोज़गार के रास्ते खुलेंगे। उन्होंने कहा, "प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) की नोडल एजेंसी होने के नाते, केवीआईसी शहद के लिए प्रसंस्करण, पैकेजिंग और लेबलिंग इत्यादि हेतु इकाइयों की स्थापना के लिए ऋण प्रदान करेगा। उन्होंने कहा, "वलसाड में

(शेष पृष्ठ 16 पर)

ग्रामीणों के मध्य 100 बी-बॉक्सेस के वितरण के साथ आयोग का 'हनी मिशन' गोद लिए गए गाँव तक पहुँचा

प्रचुर मात्रा में वनस्पतियों और जीवों के साथ, गांव कुतुबगढ़, आने वाले दिनों में शहद-गढ़ बन सकता है! खादी और ग्रामोद्योग आयोग का 'हनी मिशन' संसद सदस्य लेखी द्वारा गोद लिया गया गाँव तक पहुँचा है, लेखीजी ने ग्रामीणों के बीच 100 मधुमक्खी बक्से संवितरित किए और 2018 को वहां 100 मोरिंगा के पौधे लगाए। कृषि के लिए प्रसिद्ध, दिल्ली के पास कुतुबगढ़ अब उच्च गुणवत्ता वाला शहद का भी उपज करता है |

कुतुबगढ़ ग्राम (दिल्ली): यहाँ के ग्रामीणों के लिए पिछले हफ्ते कुछ उत्सवों का आयोजन किया गया - बुजुर्ग और युवा - जब उन्हें राष्ट्रीय राजधानी के बाहरी इलाके में इस टिनसेल गाँव में मधुमक्खी के बक्सों से शहद का उत्पादन मिला - खादी और ग्रामोद्योग आयोग (KVIC) द्वारा हाल ही में प्रदान की गई, अपने 'हनी मिशन' कार्यक्रम के तहत |

10 किसानों में से एक किसान दिनेश सिंह, जिन्होंने इस साल 3 नवंबर को कुतुबगढ़ गांव में केवीआईसी से 100 मधुमक्खी बक्से एक साथ में प्राप्त किए, ने कहा कि दो महीने से कम समय में, हमने 97,000 रुपये के आसपास 485 किलोग्राम शहद निकाला है । उन्होंने आगे कहा, "हम शहद उत्पादन में रिकॉर्ड बनाना चाहते हैं कि लोग हमारे गांव को आगे 'हनी-गढ़' के नाम से जानें।"

हरीश राणा ने कहा कि पूरे शहद-निष्कर्षण प्रक्रिया को एक त्यौहार की तरह मनाया जाता है, क्योंकि सभी आयु वर्ग के लोग न केवल लाइव निष्कर्षण देखते हैं, बल्कि ताजा निकाले गए शहद का भी स्वाद लेते हैं। "हमारा गाँव, जिसके पास एक उपजाऊ कृषि भूमि है और अपनी फसलों की अधिक पैदावार के लिए कई मौकों पर प्रशंसा अर्जित करता है, अब राष्ट्रीय राजधानी के निकट सबसे अधिक शहद उत्पादक क्षेत्र के रूप में उभर रहा है," उन्होंने कहा, इस शहद की "बिक्री की शुरुआत गाँव में ही हो चुकी है।

संयोग से, इस गांव को नई दिल्ली की सांसद श्रीमती मीनाक्षी लेखी द्वारा अपनाया (गोद लिया) गया है, जिन्होंने केवीआईसी के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना की उपस्थिति में, इस वर्ष 3 नवंबर को एक समारोह में 10 किसानों के बीच 100 मधुमक्खी - बक्से वितरित किए ।

केवीआईसी के, हनी मिशन' के लिए ग्रामीणों की भारी प्रतिक्रिया से उत्साहित, श्री सक्सेना ने कहा कि हमें देश भर में बड़े पैमाने पर सफलता मिली है। हनी मिशन के पूरक के रूप में एक विज्ञापन के रूप में हमने अब जो शुरुआत की है, वह मोरिंगा (ड्रमस्टिक) के पौधे हैं। उन्होंने कहा कि मधुमक्खी पालन से मधुमक्खी के डब्बों के आसपास और आसपास के क्षेत्रों में फसलों की पैदावार बढ़ेगी, वहीं मोरिंगा किसानों को

(शेष पृष्ठ 19 पर)

भुवनेश्वर, ओडिशा में भीमटांगी समिति हॉल में पीएमईजीपी पर जागरूकता शिविर का आयोजन

आयोग के राज्य कार्यालय, देहरादून ने 27 अक्तूबर से 5 नवंबर 2018 तक संस्था आनंद ग्राम समिति के समन्वय में एक पीएमईजीपी प्रदर्शनी का आयोजन किया। इस अवसर पर श्री असद मलिक, उप निदेशक / प्राचार्य, एमडीटीसी ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। इस अवसर पर संस्था के सचिव श्री सोमपाल सिंह भी उपस्थित थे।

(पृष्ठ 14 से आगे)

आयोग द्वारा वलसाड जिले में 175 आदिवासी लोगों को 1750 मधुमक्खी बक्से वितरित.....

केवीआईसी द्वारा की गयी इस विकास पहल से यहां के जनजातीय लोगों में आशा की किरण जगी है और वे विकास का हिस्सा बनने के तैयार हैं। मधुमक्खी पालन से क्रॉस परागण के माध्यम से वलसाड क्षेत्र के समृद्ध वनस्पतियों और जीवों को भी बढ़ाया जाएगा।"

श्री सक्सेना ने आगे कहा कि आयोग ने इस वर्ष के अंत तक गुजरात के किसानों के बीच कम से कम 7000 मधुमक्खी बक्से वितरित करने का निर्णय लिया है । "अब तक, हमने वलसाड, नवसारी, तापी, दाहोद और नर्मदा जिलों के एससी / एसटी ग्रामीणों के बीच लगभग 3000 मधुमक्खी बक्से वितरित किए हैं, इसके अलावा हमने गुजरात में 'हनी मिशन 'परियोजना के तहत बनासकांठा, पाटन और भुज / कच्छ जिलों में सामान्य श्रेणी के ग्रामीणों के बीच 1750 मधुमक्खी बक्से वितरित किए हैं।"

बता दे कि 10 दिसंबर, 2016 को बनास डेयरी के एक समारोह में प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'मधु क्रांति' के आह्वान के बाद, केवीआईसी अपने उत्साही 'हनी मिशन' के साथ एक मिशन मोड में आया है, जिसके तहत पूरे देश में नवंबर 2018 से पहले - गुजरात के नर्मदा घाटी क्षेत्र से लेकर असम में काजीरंगा जंगल और जम्मू-कश्मीर के पहाड़ी पंपौर क्षेत्र के माईशु के घने जंगलों तक 1,30,000 मधुमक्खी बक्से वितरित किये हैं। अब तक केवीआईसी ने देश के किसानों और उद्यमियों को 2 9, 000 मधुमक्खी बक्से वितरित किए हैं।

❑❑

26 नवंबर, 2018 को केंद्रीय कार्यालय के साथ-साथ राज्य/विभागीय कार्यालयों में भारतीय संविधान दिवस पर शपथ लेते आयोग के पदाधिकारी

आयोग मुख्यालय

कांगडा, शिमला

राज्य कायार्लय, त्रिवेन्द्रम

राज्य कायार्लय, हल्द्वानी

विभागीय कायार्लय, मदुरै

राज्य कायार्लय, बंगलुरु

एक अनुभूति जिसने दिलायी खादी को 'विशेष' पहचान

यदि आप एक सिद्धांत में विश्वास नहीं करते हैं और यदि आप उस उदाहरण से नहीं जीते हैं, तो आप उन संस्थाओं में फर्क नहीं कर पाएंगे जिनके बारे में आप बात करते हैं। इस तरह की खोखली विचारधारा के कारण पूर्व में खादी क्षेत्र को काफी हानि पहुंची है, जिसने इसे राष्ट्रीय जीवन के परिधि में रखकर इस क्षेत्र को बदलने में विश्वास नहीं किया।

किन्तु 2014 से, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरे खादी क्षेत्र में न केवल बदलाव लाया, बल्कि उसे जिया भी - खादी को उससे अलग बनाने के लिए जो वह हुआ करता थी। यह अब राष्ट्रीय विरासत और गौरव का प्रतीक है, प्रधान मंत्री को कोटिशः धन्यवाद, जिन्होंने हमारे जीवन में इसकी शक्ति को पहचाना।

समाज विशिष्ट विचारधाराओं और सामाजिक संरचनाओं की अभिव्यक्ति और उनकी विशिष्ट संस्कृति के पहलुओं का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रतीकों का उपयोग करता है। अतः प्रतीक का अर्थ प्रतीक चिंह में ही निहित नहीं है बल्कि संस्कृति से सीखा जाता है। 'खादी' शब्द का प्रतिरुप: यह कपड़े के एक टुकड़े का प्रतिनिधित्व नहीं करता है। इसके बजाय, यह आर्थिक परिवर्तन के वर्तमान चरण के लिए ब्रिटिश राज के खिलाफ भारत की स्वतंत्रता का प्रमाणपत्र है।

अब, सवाल उठता है कि क्या कोई नेता प्रतीकों का उपयोग करके धारणा को बदल सकता है? यदि वर्तमान प्रधानमंत्री को गांधीजी द्वारा दी गई मान्यताओं का प्रभाव कोई संकेत देता है, तो इसका उत्तर सिर्फ 'हां' हैं!

हालाँकि गांधीजी ने केवल एक या दो साल के लिए ही टोपी पहनी थी, गांधी टोपी भारत में पहले असहयोग आंदोलन के दौरान उभरी और इसने राज को इसके उपयोग पर प्रतिबंध लगाने के लिए मजबूर किया। कई दशकों बाद, गुजरात के उसी राज्य के एक अन्य नेता ने भारत में आर्थिक परिवर्तन लाने के लिए एक माध्यम के रूप में- इस विरासत वस्त्र का उपयोग किया।

जी हां, जब से मोदीजी प्रधान मंत्री बने हैं, उन्होंने खादी में छिपी अव्यक्त क्षमता को उजागर करने के लिए अथक प्रयास किए हैं। स्वयं अगुवायी करते हुए, पीएम ने अपनी कई मासिक रेडियो वार्ता 'मन की बात' में देशवासियों से खादी को अपनाने और बढ़ावा देने की अपील की है। अपने पहले एपिसोड से ही, उन्होंने हमेशा लोगों से खादी को अपने जीवन का हिस्सा बनाने का आग्रह किया और इस बात पर विशेष जोर दिया कि खादी खरीदने से गरीब बुनकरों और उनके परिवारों को क्या मदद मिलेगी।

वास्तव में, पिछले चार वर्षों में खादी की वृद्धि सबसे आश्चर्यजनक सफलता की कहानियों में से एक के रूप में उभरी है: जब खादी की बिक्री 2014-15 में 1,170 करोड़ रुपये से दोगुनी से अधिक 2017-18 में 2,509 करोड़ रुपये हो गई है, इस अवधि में इसका उत्पादन 880 करोड़ रुपये से 1,500 करोड़ रु बढ़ गया है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने अब तक 32,000 चरखे और 6000 करघे कारीगरों में बांटे हैं। कम रोजगार अवसरों के झूठे प्रचार के बीच, खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने जुलाई 2014 से सितंबर 2018 तक 18,39,887 रोजगार सृजित किए हैं और मार्च 2020 तक के दौरान और 13,10,908 रोजगार सृजित करने के लिए तैयार है।

नव-प्रवर्तित मोदी जैकेट और मोदी कुर्ते में लोगों को जीवन रंग दिखाई देते हैं - विशेष रूप से भावी पीढी के लोगों के लिए। कनॉट प्लेस के प्रमुख केवीआईसी स्टोर ने अक्टूबर में तीन बार और नवंबर में एक बार रिकार्ड बिक्री का आंकड़ा छू लिया है।

अंततः किसी भी राष्ट्र के कार्यक्रमों, विशेष रूप से ग्रामीण प्रासंगिकता को विकासशील समाजों में एक अतिरिक्त संभावना मिलती है। बहुत फर्क पड़ता है जब सत्ता में शीर्ष व्यक्ति किसी भी कार्यक्रम पर पूर्णतः ध्यान केन्द्रित करता है। हमने खादी को इस घटना से लाभान्वित होते देखा जब गांधीजी ने इसके विकास पर इतना ध्यान दिया। लेकिन आजादी के बाद के समय में, किसी भी राज्य प्रमुख ने खादी पर इतना ध्यान नहीं दिया जितना हमारे प्रधानमंत्री ने दिया है.। उन्होंने इसे एक लौकिक उत्पाद से एक फैशन प्रतीक तक ऊंचा उठाया है। खादी में बदलाव के लिए, उन्होंने एक त्रुटिहीन शैली के साथ दुनिया भर में खादी को पहुंचाया है, जिसने उन्हें इस क्षेत्र का प्रमुख प्रस्तावक बनाया है - जो विश्व मंच पर भारत के गरीब कारीगरों का प्रतिनिधित्व करता है। ❑❑

(पृष्ठ 15 से आगे)

ग्रामीणों के मध्य 100 बी-बॉक्सेस का वितरण के साथ.....

बेहतरीन औषधीय शहद और अच्छा पौष्टिक आहार देगा।'' चूंकि मोरिंगा ग्रीन गोल्ड के नाम से भी जाना जाता है; इस फसल से मधुमक्खी पालन करने वाले किसानों को अधिक आय हो सकती है।

यहां यह बता दें कि अब तक खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने पूरे देश में लगभग 55,000 मधुमक्खी-बक्से वितरित किए हैं, जो भारत में पहली बार हुआ था। खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने न केवल मधुमक्खी-बक्से वितरित किए थे, बल्कि इसने हनी मिशन 'के तहत 7,000 से अधिक नए रोजगार का भी सृजन किया था, इसके अलावा मधुमक्खी के बक्से और हनी एक्सट्रैक्टर्स के निर्माण के माध्यम से लगभग 6,000 अतिरिक्त मानव कार्य दिवस का भी सृजन किया । खादी और ग्रामोद्योग आयोग, मधुमक्खी बक्से के वितरण से पूर्व मधुमक्खी पालकों को मधुमक्खी की कालोनियों की जांच करने, इसे संबन्धित उपकरणों के बारे में जानकारी देने, मधुमक्खी के दुश्मनों और रोगों की पहचान करने में और प्रबंधन करने में, शहद निष्कर्षण और मोम शोधन करने, और वसंत, गर्मी, मानसून में मधुमक्खी कालोनियों के प्रबंधन करने के संबंध में नि:शुल्क व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करता है।

❑❑

खादी इण्डिया विश्व भर में अपनी पहचान बना रहा है! भारतीय दूतावास ने हस्तशिल्प खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की।

श्री एस.आर. डोभाल, सहायक निर्देशक 1 को उनके सर्वश्रेष्ठ लेख "उत्तराखंड में पलायन- कारण और निवारण" के लिए पुरस्कार मिला, जोकि केंद्रीय सरकार के अधिकारियो/पदाधिकारियों-दून वाणी, संस्करण-6 के प्रतिष्ठित वार्षिक पत्रिका में प्रकाशित हुआ था।

फीडाक-2018, डकार, सेनेगल में 29 नवंबर से 16 दिसंबर 2018 तक विशेष खादी उत्पादों की प्रदर्शनी आयोजित की गयी। प्रदर्शनी में प्रीमियम हस्तनिर्मित और ऑर्गेनिक खादी वस्त्र, और ग्रामोद्योग उत्पाद शामिल थे।

पिछले चार वर्षों में खादी ने अपने उत्पादन में 39.30 मिलियन वर्ग मीटर की वृद्धि कर, 37.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की

- मिल उत्पादन की तुलना में हिस्सेदारी में 61 प्रतिशत की औसत छलांग
- 2015 के बाद 376 नए खादी संस्थाओं और 38684 नए कारीगरों को जोडने के बाद
- 92,841 नई नौकरियों का सृजन हुआ है

नई दिल्ली: खादी और ग्रामोद्योग आयोग (KVIC) द्वारा खादी क्षेत्र में उच्चतम और बहुआयामी नवाचार की शुरुआत ने एक बार फिर से सफलता की कहानी कायम की है क्योंकि भारत के इस विशेष विरासत वस्त्र ने खादी में 37.1 प्रतिशत की औसत छलांग लगाई है। पिछले चार वर्षों में कपड़े का उत्पादन, यानी 103.22 मिलियन वर्ग मीटर से 141.52 मिलियन वर्ग मीटर तक। और, 39.30 मिलियन वर्ग मीटर की यह वृद्धि तब से हुई है जब केवीआईसी ने नए खादी संस्थाओं के पंजीकरण को प्रोत्साहित किया है और 31,000 नए मॉडल चरखे और 5,600 आधुनिक करघों के वितरण जैसे कारीगर केंद्रित कार्यक्रमों पर जोर दिया है। खादी ने 376 नए खादी संस्थाओं को शामिल किया है और 38,684 नए खादी कारीगरों को जोड़ा है, जिसके परिणामस्वरूप पिछले चार वर्षों में मिलों के कपड़ा उत्पादन के संबंध में खादी कपड़े के उत्पादन में 61 प्रतिशत की औसत वृद्धि हुई है।

वस्त्र मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, वित्त वर्ष 2013-14 में, मिल सेक्टर में वस्त्र का उत्पादन 2,531 मिलियन वर्ग मीटर था। दूसरी ओर, KVIC की ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार, इसी वित्त वर्ष के दौरान खादी क्षेत्र का वस्त्र उत्पादन 103.22 मिलियन वर्ग मीटर था - जो कुल उत्पादन के 4 प्रतिशत से थोड़ा अधिक था। दिलचस्प बात यह है कि चार साल बाद, यानी वित्तीय वर्ष 2017-18 - खादी क्षेत्र के वस्त्र उत्पादन में 38.30 मिलियन वर्ग मीटर (37.10 प्रतिशत की औसत छलांग) का उछाल देखा गया। वित्त वर्ष 2017-18 में, जबकि मिल क्षेत्र के वस्त्र का उत्पादन 2,157 मिलियन वर्ग मीटर था, खादी क्षेत्र के वस्त्र का उत्पादन 141.52 मिलियन वर्ग मीटर था - जो देश में समग्र वस्त्र उत्पादन का 6.5 प्रतिशत से अधिक था। और, यह दर्शाता है कि 2015 के बाद से खादी क्षेत्र के वस्त्र उत्पादन में 61 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने इसके कारणों की व्याख्या करते हुए कहा: "सबसे पहले और खादी क्षेत्र के वस्त्र के उत्पादन में यह वृद्धि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की - खादी को अपनाने के लिए बार-बार की गई अपील के कारण है और फिर, एमएसएमई मंत्रालय को श्रेय जाता है, जिन्होंने कारीगरों को आकर्षित करने के लिए कई नीतियों और कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की है और उन्हें लागू किया है - मूल रूप से खादी क्षेत्र के केन्द्र-बिन्दु हैं या कहें धुरी हैं।"

श्री सक्सेना ने आगे कहा कि हाल के वर्षों में केवीआईसी द्वारा नई नीतियों और पहल के कारण कारीगरों की संख्या उत्तरोत्तर खादी क्षेत्र में बढ़ रही है। उन्होंने कहा, ''हमने खादी संस्थाओं को पुनर्जीवित करने के लिए नए खादी संस्थाओ के पंजीकरण की शुरुआत की और साथ ही साथ खादी संस्थाओं को भी पुनर्जीवित भी किया है। 2015-16 से, कुल मिलाकर 38,684 नए खादी कारीगरों को इस साल 10 अक्टूबर तक जोड़ा गया है, परिणामस्वरूप कारीगरों की संख्या 4,94,684 हो गई है। यहां तक कि 376 नए खादी संस्थाओं को भी इस अवधि के दौरान जोड़ा गया है, "पिछले चार वर्षों के दौरान खादी क्षेत्र में कुल 92,841 नए रोजगार सृजित हुए हैं।"

प्रेस कवरेज

News | FOREVER NEWS | 05 - 11 October 2018 | 5

KVIC plans to go Global, To organise 150 Exhibitions across the World in 2 Months – Giriraj Singh

The Khadi Fest 2018 is here!

Let's celebrate Mahatma Gandhi's legacy on his 150th Birth Anniversary. Visit the nearest Khadi India outlet in your city to shop for exquisite and organic handcrafted products.

Khadi & Village Industries Commission

दीव में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम पर बैंकर्स की हुई बैठक

दीव 05 सितंबर। दीव म्युनिसिपल काउंसिल हालबाहर में आज प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के संदर्भ में जिला कलेक्टर हेमंत कुमार की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गयी। इस बैठक में सभी बैंकों के शाखा प्रबंधकों, सेल्फ हेल्प ग्रुप एवं दीव जिले के अन्य अधिकारियों की उपस्थिति रही। बैठक का आयोजन खादी और ग्रामोद्योग आयोग अहमदाबाद द्वारा डीडीओ कार्यालय के सहयोग से किया गया। इस बैठक में खादी और ग्रामोद्योग आयोग के निदेशक संजयभाई ने जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना के अंतर्गत कोई भी बेरोजगार भाई-बहन मैन्युफैक्चरिंग इकाई स्थापना के लिए 25 लाख रुपये तक उद्योग के लिए 10 लाख रुपये तक का कर्ज प्राप्त कर 35 प्रतिशत तक सब्सिडी का लाभ ले सकता है। जिला कलेक्टर हेमंत कुमार ने बैठक में भाग लेने वाले सेल्फ हेल्प ग्रुप की बहनों एवं बेरोजगार नौजवानों को इस योजना का अधिक से अधिक लाभ लेने का अनुरोध किया। एलडीएम संजय माथुर ने सभी बैंकों से ज्यादा से ज्यादा प्रोजेक्ट पीएमईजीपी में स्वीकृत करने का अनुरोध किया।

खादी पोहोचली ६० देशांत, लवकरच १५० देशांत पोहोचेल – गिरिराज सिंह

खादी प्रदर्शनी में पहुंच रहे दर्शक एवं आदतन खादीधारी

रुड़की ब्यूरो विशाला खादी ग्रामोद्योग आयोग भारत सरकार की ओर से आयोजित प्रदर्शनी में आज तीसरे दिन भी जनसैलाब उमड़ा। लोग प्रदर्शनी में खादी के उत्पादों का भरपूर

लाभ उठा रहे हैं। खादी वस्त्र खरीदने पर ग्राहकों को छूट दी जा रही है। हो सकता है कि प्रदर्शनी का समय और बढ़ाया जाये, ताकि नवरात्रों पर लोग और खरीददारी कर सकें। प्रदर्शनी के माध्यम से यह संदेश ई-वस्त्रों का उपयोग व बढ़ावा देना है। नितिन त्यागी ने बताया कि खादी मात्र वस्त्र नहीं विचार है। रोजगार, महिला सशक्तिकरण एवं समाज में स्वदेशी के बोध को और बढ़ावा दिया जा सकता है। नितिन त्यागी सामाजिक कार्यकर्ता हैं और अपनी भूमिका को समय-समय पर निभाते हैं। यह प्रदर्शनी गांधी जयंती के अवसर पर लगाई गई थी जिसका दर्शक भरपूर लाभ उठा रहे हैं।

કેવીઆઈસી વિશ્વભરમાં ૧૫૦ પ્રદર્શનનું આયોજન કરશે: ગિરિરાજ સિંહ

जेएम ने किया 5 दिवसीय प्रदर्शनी का समापन

खादी से स्वरोजगार बढ़ाने को करने होंगे प्रयासः त्यागी

प्रेस कवरेज

NEWS

THE ECONOMIC TIMES

File Photo

कनॉट प्लेस के खादी स्टोर पर शनिवार की बिक्री 1.25 करोड़ रुपये: केवीआईसी

October 15th, 2018

खादी इंडिया के कनॉट प्लेस के मशहूर स्टोर में एक दिन की बिक्री 1.25 करोड़ रुपये की रही। यह पिछले वर्ष की इसी दिन की तुलना में 276 प्रतिशत अधिक है। पिछले वर्ष 13 अक्टूबर को इस स्टोर की बिक्री 33.26 लाख रुपये थी। खादी ग्राम उद्योग आयोग (केवीआईसी) ने रविवार को बताया कि उसके कनॉट प्लेस स्थित इस स्टोर में शनिवार को 1,25,25,671 रुपये की बिक्री हुई।

Photos from Pankaj Pande

Pankaj Pandey

खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी, सभी समाचार पत्रों को

सहारा

आजादी का प्रतीक है खादी : एसपी

Amod Kumar and 50 others

శివయ్య సన్నిధిలో కేంద్రమంత్రి పూజలు

बन रही योजना : सीमा क्षेत्र में फिर खुलेंगे खादी के बंद सब सेंटर

గ్రామస్థాయిలో హస్తకళల అభివృద్ధి ధ్యేయం

అతిపెద్ద చిత్రపటానికి జాతీయ గుర్తింపు

खादी ग्रामोद्योग की प्रदर्शनी शुरू

प्रेस कवरेज

NEWS

दिए जाएंगे। सम्मान समारोह 23 अक्टूबर को आयोजित होगा।

एक दिन में बिकी 1.25 करोड़ की खादी, रिकॉर्ड

नई दिल्ली | यहां कनॉट प्लेस के मशहूर खादी भंडार में शनिवार को 1.25 करोड़ रुपए की खादी बेची। यह अब तक की रिकॉर्ड बिक्री है। पिछले साल 17 अक्टूबर को 1,19,10,982 रुपए की खादी बिकी थी। इस साल यहां 1,25,25,761 रुपए की खादी बिकी।

नोक-झोंक

खादी वस्त्र धारण करने से जागृत होता आत्मविश्वास : एसपी

सीमावर्ती गांवों में फिर से खोले जाएंगे खादी के केंद्र : मीणा

मूकबधिर हेमंत ने तैयार की यूनीक हैंडमेड दीवार घड़ी

मूकबधिर हेमंत के बनाए होम प्रोडक्ट्स है स्वरोजगार की मिसाल

न्यूज डायरी

बेरोजगारों को मधुमक्खी पालन के लिए बांटे बॉक्स

रुड़की। भारत सरकार के सूक्ष्म लघु व मध्यम मंत्रालय के अंतर्गत खादी और ग्रामोद्योग आयोग के हनी मिशन के अंतर्गत मधुमक्खी पालन प्रशिक्षित बेरोजगारों को बॉक्स बांटे गए।

बतौर मुख्य अतिथि खादी और ग्रामोद्योग आयोग राज्य कार्यालय देहरादून के निदेशक कुंज बिहारी एवं लखनौता ग्राम प्रधान वीरेंद्र चौधरी उपस्थित रहे। डायरेक्टर कुंज बिहारी ने कहा कि योजना केंद्र सरकार के माध्यम से खादी आयोग भारत सरकार की ओर से संचालित की जा रही है। कौशल्या ग्रामोद्योग संस्थान के महासचिव नितिन त्यागी ने बताया कि संस्थान भी इस प्रकार के रोजगार को बढ़ावा देने के लिए सदैव कार्यरत रहता है। साथ ही लोगों को भी एनिमेशन से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

लखनौता में 'मेजर हनी मिशन' के तहत वितरित किये गये मधुमक्खी पालन के बॉक्स

खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का हुआ शुभारम्भ

वह अपनी कार्यशैली में सुधार नहीं लाते तो पालिका नियमानुसार उनके विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई करेगी।

मधुमक्खी पालन के बॉक्स बांटे

झबरेड़ा। आज बुधवार को केंद्रीय खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग द्वारा लखनौता चौराहा ग्राम लखनौता में मेजर हनी मिशन के अंतर्गत मधुमक्खी पालन के बॉक्स वितरित किए गए। जिसका मुख्य उद्देश्य स्वरोजगार को बढ़ावा देना है। एक व्यक्ति को 10 बॉक्स दिए गए हैं। इसमें बॉक्स का 10 प्रतिशत का अंशदान देना होगा व 90 प्रतिशत खादी और ग्रामोद्योग आयोग देगा। कार्यक्रम में खादी और ग्रामोद्योग आयोग राज्य कार्यालय देहरादून के निदेशक कुंज बिहारी व लखनौता ग्राम प्रधान वीरेंद्र चौधरी, उपनिदेशक एसएम डोभाल, पीएमईजीपी प्रभारी विनोद कुमार, कुलदीप शर्मा आदि मौजूद रहे।

प्रेस कवरेज

NEWS

दैनिक भास्कर
27-Oct-2018
जयपुर सिटी भास्कर

राजस्थान फैशन वीक : डिग्गी पैलेस में राजस्थान के डिजाइनर्स और मास्टर क्राफ्टमैन के फैशन शो के साथ राजस्थान हैरिटेज वीक का समापन हुआ। राजस्थान के आर्किटेक्चर, आवकों व मरुभूमि की थीम रही खास

खादी पर प्रस्तुत किए राजस्थान की बर्फी और आर्किटेक्चर के डिजाइन

दैनिक भास्कर
25-Oct-2018
जयपुर सिटी भास्कर

राजस्थान हैरिटेज वीक : पहले दिन 9 डिजाइनर्स और 5 वीवर्स ने पेस्टल कलर में खादी और कोटा डोरिया के फेस्टिव रेंज को प्रजेंट किया। ब्लू पॉटरी से इंस्पायर्ड कोबाल्ट ब्लू कलेक्शन भी हुआ लॉन्च।

बीबी रसैल ने झालावाड़ के बुनकरों द्वारा तैयार खादी पर प्रजेंट किया कलेक्शन

खादी ग्राम उद्योग की प्रदर्शनी में लगे वस्त्रों की तारीफ

खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का उद्घाटन करते नपा चेयरमैन संतोष खरवार व खादी ग्रामोद्योग निदेशक बलवारी सिंह।

सुलतानपुर | निज संवाददाता

खादी ग्रामोद्योग आयोग व सामाजिक संस्था की ओर से बुधवार को बेचूपुर नईबस्ती के एक लान में दस दिवसीय जिला स्तरीय खादी ग्राम उद्योग प्रदर्शनी आयोजित की गई। नगर पालिका के चेयरमैन संतोष खरवार और खादी ग्रामोद्योग निदेशक बलवारी सिंह ने दीप प्रज्वलित व फीता काटकर उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा कि खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग की अच्छी पहल है। मशीनीकरण से खादी के कपड़ों की गुणवत्ता व उसकी मात्रा में बढ़ोतरी हुई है। आज के समय में खादी के कपड़े के प्रति युवाओं में ललक बढ़ी है। खादी देश की आजादी का भी प्रतीक है। विशिष्ट अतिथि खादी ग्रामोद्योग आयोग वाराणसी के निदेशक बलवारी सिंह ने कहा कि खादी व ग्रामोद्योग विभाग वर्तमान युवा पीढ़ी की सोच को भी बदलेगा। इसे आउटडेटेड नहीं समझें। सरकार ने भी अब इसे आधुनिक कर दिया है। प्रदर्शनी में युवाओं के लिए विशेष तरह के आधुनिक रेडीमेड कपड़े उपलब्ध हैं। इनके अतिरिक्त विभिन्न सामानों के कुल 35 स्टाल भी लगाए गए हैं। विकास अधिकारी नंदकिशोर द्विवेदी ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना के बारे में जानकारी दी। कहा कि ग्रामीण रोजगार निवारण के लिए खादी ग्रामोद्योग आयोग की कई योजनाएं चल रही हैं। इस मौके पर सुरेंद्र सिंह, अश्वनी श्रीवास्तव, विनोद यादव आदि मौजूद रहे।

चेयरमैन ने खादी का सामान उपयोग करने के लिए किया अपील

नगर के बेचूपुर स्थित लॉन में दस दिन तक चलेगी प्रदर्शनी

खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी में दिखा हाथों का हुनर

प्रेस कवरेज

मुगलसराय-चंदौली 7

खादी एवं ग्रामोद्योग प्रदर्शनी प्रारम्भ

जनसंदेश न्यूज

डीडीयू नगर। नगर के जीटी रोड स्थित एक लॉन में बुधवार को जिला स्तरीय खादी एवं ग्रामोद्योग प्रदर्शनी लगायी गयी जिसमें उत्पादकों द्वारा स्टालों पर खादी के वस्त्र, अचार-मुरब्बा, आयुर्वेदिक दवाएं, कपड़े, कालीन एवं अन्य हस्तनिर्मित उत्पाद लगाये गये थे।

बुधवार से प्रारम्भ होकर 2 नवम्बर तक चलने वाली प्रदर्शनी का शुभारम्भ मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद् चेयरमैन संतोष खरवार एवं विशिष्ट अतिथि खादी ग्रामोद्योग आयोग वाराणसी निदेशक [illegible] सिंह द्वारा फीता काटकर किया गया।

इस दौरान विकास अधिकारी खादी और ग्रामोद्योग आयोग [illegible] द्विवेदी ने प्रदर्शनी में आये लोगों को खादी तथा ग्रामोद्योग की महत्ता की जानकारी दी। साथ ही प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के लाभ के बारे में भी बताया।

उन्होंने लोगों को खादी एवं ग्रामोद्योग के तहत उत्पादित वस्तुओं के खरीदने का आह्वान किया तथा बताया कि इस तरह लोगों के क्रय करने से गांव के कमजोर तथा पिछड़े कारीगरों को लाभ पहुंचता है।

फीता काटकर उद्घाटन करते चेयरमैन संतोष

आईआईटी कैंपस में शुरू हुई पांच दिवसीय प्रदर्शनी

कैंपस में खादी प्रदर्शनी का उद्घाटन करते आईआईटी डायरेक्टर चतुर्वेदी व डीन प्रशासक रमा भार्गव।

दून के प्रेम धाम में रविवार को खादी ग्रामोद्योग आयोग ने प्रदर्शनी लगाई। • हिन्दुस्तान

खादी ग्रामोद्योग आयोग ने लगाई प्रदर्शनी

देहरादून। महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर राज्य कार्यालय खादी और ग्रामोद्योग आयोग की ओर से प्रेम धाम में 27 अक्तूबर से पांच नवंबर तक प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत जिला स्तरीय प्रदर्शनी लगाई गई है। प्रदर्शनी का शुभारंभ संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी खादी और ग्राम उद्योग [illegible] ने किया। प्रदर्शनी में 12 संस्थानों ने स्टॉल लगाये हुये हैं। इसमें दो खादी एवं दस पीएमईजीपी इकाई भाग ले रही हैं। इस अवसर पर राज्य निदेशक खादी और ग्राम आयोग कुंज बिहारी, सहायक निदेशक एसआर डोभाल, राकेश कुमार शर्मा, जेएस मलिक, किशोर कुमार आदि मौजूद रहे।

आईआईटी परिसर में लगाई गई खादी प्रदर्शनी, छात्रों को किया आकर्षित

रुड़की बद्री विशाला। आज राज्य कार्यालय खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित युवाओं में खादी के प्रति जागरूकता के उद्देश्य से आईआईटी कैम्पस प्लेसमेंट के सामने मैदान में एक प्रदर्शनी लगाई गई, इसमें राज्य की 12 खादी ग्रामोद्योग संस्थाओं ने 12 स्टॉल लगाये। प्रदर्शनी में विभिन्न प्रकार के खादी उत्पाद, कुर्ते-पायजामे, साड़ी, चप्पल, साबुन, शहद आदि उपलब्ध हैं। इसका उद्घाटन आईआईटी निदेशक प्रो. अजीत कुमार चतुर्वेदी एवं डीन रमा भार्गव द्वारा किया गया। इस दौरान कुंज बिहारी राज्य निदेशक भी मौजूद रहे। खादी को बढ़ावा देने के लिए कुंज बिहारी ने कहा कि खादी उत्पादों का अधिक से अधिक उपयोग के लिए युवाओं को आगे आना होगा, और इसके बारे में जानकारी लेनी होगी ताकि खादी को अधिक बढ़ावा मिल सके। इस दौरान कौशल्या ग्रामोद्योग संस्थान के महासचिव नितिन त्यागी ने कहा कि संस्था सदैव खादी के क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के लिए कार्यरत है और लगातार प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही युवा इस ओर आकर्षित हों। इस मौके पर सहायक निदेशक जेएस मलिक, राकेश कुमार शर्मा, जन जागृति समिति से राहुल त्यागी एवं अन्य संस्थाएं इकाईयों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

...tree plantation, lectures, poem competitions etc as a part of this movement.

KVIC plans to go Global, To organise 150 Exhibitions

The Khadi & Village Industries Commission (KVIC) has started exhibiting its products in major overseas markets. In the first phase, KVIC organised exhibition in 10 centres on August 15 followed by another 50 centres on the occasion of the Gandhi Jayanti on Tuesday. Now, KVIC plans to exhibit its products across 150 major centres across the World in the second phase in the next Two Months. "Our main aim is to generate employment. Hence, we do not focus on profit. Through promotion of Khadi, we focus on social welfare and employment generation together by bringing in women entrepreneurship in rural India," said Giriraj Singh, Minister, MSME, on the occasion of inaugurating "Khadi Fest 2018", an exhibition cum sale here in Mumbai on Tuesday at Gramodaya, 3, Irla Road, Vileparle West, Mumbai.

Mumbai

www.silvasamirror.com

SILVASA MIRROR

Meeting on Pradhan Mantri Rozgar Sujan Yojana organized at Diu

Meenani Gadhvi, Diu.

A meeting was organized at Seminar Hall of Diu Municipal Council (DMC) on Friday to discuss about Pradhan Mantri Rozgar Sujan Program.

Meeting was chaired by Diu Collector Hemant Kumar, which was attended by officials of all banks, self-help groups and officials from other departments of Diu administration.

Meeting was organized by Khadi and Cottage Commission, Ahmedabad and BDO office. Speaking at the occasion, Diu Collector said that any unemployed youth can get loan of Rs25 lakhs for starting manufacturing unit.

Loan of Rs10 lakhs provided for starting small business. The subsidy is given under government loan.

NEWS

प्रेस कवरेज

PMO India @PMOIndia · 3h

Khadi store in Delhi registers record Rs 1.25 Cr sale in a single day. economictimes.indiatimes.com/industry/servi...

via NaMo App

Khadi store in CP registers record Rs 1.25 Cr sale in a single day: KVIC

October 15, 2018

Khadi India's flagship store in Central

खादी और ग्रामोद्योग आयोग को खादी और ग्रामोद्योग गतिविधियों के संवर्धन, नीतियों और कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए आईएसओ9001-2015 प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया है। यह प्रमाण-पत्र आयोग के केंद्रीय कार्यालय मुंबई में खादी और ग्रामोद्योग आयोग की 660वीं बैठक के दौरान यूआरएस सर्टिफिकेशन लिमिटेड के प्रतिनिधियों द्वारा खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष विनयकुमार सक्सेना को सौंपा गया। इस अवसर पर कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

VARIETY

'KHADI has evolved as a fashion statement'

With khadi getting a contemporary twist at the fashion shows, designers say that the fabric is here to stay

THE EVOLUTION OF KHADI

SUSTAINABILITY WAVE MADE IT A GLOBAL PHENOMENON

she approached them on Sunday until she narrated her plight to city police commissioner Sanjay Kumar on Wednesday. HTC

KVIC to give charkhas, looms to Yerwada inmates

MUMBAI: As a part of 150th birth anniversary celebrations of Mahatma Gandhi, Khadi and Village Industries Commission will be providing 50 charkhas and five looms to Yerwada jail to provide training and job opportunities to prisoners. Around 75 women and 10 men from the jail will be trained to work on charkhas and looms. HTC

प्रेस कवरेज

NEWS

खादी पदयात्रा के साथ 10 हजार पौधे रोपे

जासं, सेवापुरी : खादी ग्रामोद्योग आयोग के चेयरमैन विनय कुमार सक्सेना के नेतृत्व में मंगलवार को कस्तूरबा महिला विद्यापीठ इंटर कालेज से खादी पदयात्रा निकाली गई। इस दौरान कस्तूरबा महिला विद्यापीठ, गांधी आश्रम, सघन क्षेत्र विकास समिति समेत कई स्थानों पर 10 हजार पौधरोपण किया गया।

इसके पूर्व कस्तूरबा महिला विद्यापीठ इंटर कालेज में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि खादी ग्रामोद्योग आयोग के चेयरमैन विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि सहजन का पेड़ किसानों की आय के साथ समाज की सेहत कि लिए जरूरी है। इसके सभी भागों में पोषक तत्व की प्रचुरता होती है। गाय एवं भैंस का दूध भी इसके प्रयोग से 25 से 30 फीसद बढ़ जाता है। उन्होंने मधुमक्खी पालन को भी महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर खादी ग्रामोद्योग आयोग मध्य क्षेत्र के सदस्य एवं विशिष्ट अतिथि विजय प्रकाश तोमर, प्राचार्य डा. अनिता सिंह, खादी ग्रामोद्योग के निदेशक बलधारी सिंह ने भी विचार व्यक्त किए। अतिथियों को स्मृति चिह्न व अंगवस्त्रम देकर कालेज के प्रबंधक संतोष सिंह, संदीप सिंह व सेवा भारती इंटर कालेज के प्रधानाचार्य पारसनाथ द्विवेदी ने सम्मानित किया।

खादी ग्रामोद्योग आयोग ने किया दस हजार पौंधों का वृक्षारोपण

वाराणसी। खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा कस्तूरबा महिला विद्यापीठ इण्टर कालेज से क्षेत्रीय श्री गांधी आश्रम खादी ग्रामोद्योग विद्यालय सेवापुरी तक दस हजार सहजन, मुनगा पौधो का वृक्षारोपण आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना सदस्य जयप्रकाश तोमर निदेशक बलधारी सिंह, एवं विद्यालय के प्रबंधक संतोष सिंह, प्रधानाचार्या अनिता सिंह, तथा अनगण मान्य लोगों के साथ सेवापुरी क्षेत्र के कई विद्यालयों के छात्र-छात्रों के उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विनय सक्सेना ने उपस्थित लोगों को प्रकृति में वृक्षों पर मानव जीवन प्रभाव एवं उनके गुणों के विषय में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों को मधुमक्खी पालन में आगे आने का आवाह्न किया तथा शहद के उपयोग को विभिन्न रोगों के लिए गुणकारी बताया। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश में एक लाख तीस हजार बक्सोंबाक्सेस किसानों के बीच बांटा जायेगा। समारोह में विद्यालय के प्रधानाचार्या ने कस्तूरबा महिला विद्यापीठ इण्टर कालेज के विषय में बताया तथा सदस्य जय प्रकाश तोमर ने कहा कि प्रत्येक प्राणी के लिए वृक्षारोपण आवश्यक है।

पदयात्रा निकाली, 10 हजार पौधे लगाए

किसानों की आमदनी और स्वास्थ्य के लिए सहजन का पेड़ महत्वपूर्ण

कस्तूरबा महिला विद्यापीठ में खादी पदयात्रा निकालते लोग।

खादी आश्रमों में भी आ गया है बाजारवाद

पर्यावरण के अनुकूल खादी और ग्रामोद्योगी उत्पाद

कुशल हाथों द्वारा तैयार किए गये ये प्राकृतिक, आकर्षक विशिष्ट और पारंपारिक वस्तुएं मनमोहक होने के साथ-साथ विशुद्ध, प्रमाणिक और पोषक भी है। दशकों से खादी और ग्रामोद्योगी उत्पाद अपने इन्ही गुणों के लिए उपभोक्ताओं में सर्वाधिक लोकप्रिय है। इन्हें अपने दैनिक जीवन का अंग बनाएं।

पर्यावरण के अनुकूल खादी और ग्रामाद्योगी उत्पाद ही खरीदें।

खादी

Khadi India

अपने नजदीकी खादी इंडीया सेल्स आऊटलेट में अवश्य पधारें

खादी और ग्रामोद्योग आयोग

सूक्ष्म, लघु आर.मध्यम उद्यम मत्रालय, भारत सरकार

वेबसाईट: www.kvic.org.in

"हम भारत में रोजगार सृजन करते है तथा समृध्दी बुनते है"